अनुक्रमांक .....
नाम .....

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

101

301(BA)

2026
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] **[पूर्णांक : 100**

नोट :

i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है !

खण्ड – क

1. (क) 'ध्रुवस्वामिनी' गद्य-विधा की रचना है **1**

(i) उपन्यास (iii) नाटक

(ii) कहानी (iv) जीवनी

(ख) 'त्यागपत्र' उपन्यास के लेखक हैं **1**

(i) प्रेमचन्द (iii) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) जैनेन्द्र कुमार (iv) मोहन राकेश

(ग) 'वसुधा' पत्रिका के सम्पादक हैं **1**

(i) हरिशंकर परसाई (iii) प्रताप नारायण मिश्र

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (iv) महादेवी वर्मा

(घ) राहुल सांकृत्यायन की रचना है **1**

(i) 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' (iii) 'संयोगिता स्वयंवर'

(ii) 'परीक्षा गुरु' (iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) 'मेरे निबंध' किसकी रचना है ? **1**

(i) प्रताप नारायण मिश्र (iii) बाबू गुलाब राय

(ii) श्याम सुन्दर दास (iv) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. (क) निम्नलिखित में से तारसप्तक के कवि हैं **1**

(i) रामविलास शर्मा
(ii) भवानी प्रसाद मिश्र
(iii) शमशेर बहादुर सिंह
(iv) रघुवीर सहाय

(ख) 'अब्र' उपनाम से उर्दू में गजलों की रचना की **1**

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने
(ii) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन' ने
(iii) प्रताप नारायण मिश्र ने
(iv) अमीर खुसरो ने

(ग) 'यामा' के रचयिता हैं **1**

(i) महादेवी वर्मा
(ii) सुभद्राकुमारी चौहान
(iii) विद्यापति
(iv) जगनिक

(घ) 'अनामिका' किसकी रचना है ? **1**

(i) जयशंकर प्रसाद
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) सुमित्रानंदन पंत
(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(ङ) 'मैंने उसको जब-जब देखा – लोहा देखा' पंक्ति के रचयिता हैं **1**

(i) नागार्जुन
(ii) केदारनाथ अग्रवाल
(iii) मुक्तिबोध
(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **$5 \times 2 = 10$**

राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबन्ध मात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक के नाम लिखिए।
(ख) राष्ट्र का तीसरा अंग क्या है ?
(ग) जन का मस्तिष्क क्या है ?
(घ) राष्ट्र की वृद्धि किस प्रकार सम्भव है ?
(ङ) राष्ट्र के समग्र रूप में किन चीजों का महत्वपूर्ण स्थान है ?

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से नि:सृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत रूप पर्याप्त नहीं हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक के नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) भाषा किसका अटूट अंग है ?
(घ) 'उद्‌भूत' और 'परम्परागत' शब्दों के अर्थ लिखिए।
(ङ) नयी सांस्कृतिक हलचलें कैसे उत्पन्न होती हैं ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5 × 2 = 10**

रोकहिं जो तो अमंगल होय औ प्रेम नसै जो कहैं पिय जाइये।
जौ कहैं जाहु न तो प्रभुता जौ कछू न कहैं तो सनेह नसाइये।
जो 'हरिचंद' कहैं तुमरे बिनु जीहैं न तो यह क्यों पतिआइये।
तासों पयान समै तुमरे हम का कहैं आपै हमें समझाइये॥

(क) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) प्रस्तुत पद्यांश किस भाषा में लिखा गया है ?
(घ) 'प्रभुता' और 'सनेह' शब्दों के अर्थ लिखिए।
(ङ) नायिका किस बात में प्रभुता नहीं मानती है ?

अथवा

देख-देख नाचता हृदय
बहने को महाविकुल-बेकल,
इस मरोर से - इसी शोर से
सघन घोर गुरु गहन रोर से
मुझे गगन का दिखा सघन वह छोर
राग अमर ! अंबर में भर निज रोर।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) इस अवतरण में कवि किसकी गंभीर गर्जना के बारे में बात कर रहा है ?

(घ) 'बेकल' और 'रोर' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(ङ) इस पद्यांश में कवि ने किस प्रसंग का वर्णन किया है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए :
(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) पं० दीनदयाल उपाध्याय

(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए :
(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(ii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

(iii) सुमित्रानंदन पंत

6. 'खून का रिश्ता' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए ।
(अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अंतिम सर्ग की घटना पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए ।

(ग) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की वह घटना जो आपको प्रेरणादायी लगी हो, उसका संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के प्रमुख नारी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'युधिष्ठिर' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए । 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वन्। मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्णहंसम्। तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत्। स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चित्तरुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति। हंसराजः तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनिसङ्घे संन्यपतत्। नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन्।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

अनाकृष्टस्य विषयैर्विद्यानां पारदृश्वनः।
तस्य धर्मरतेरासीद् वृद्धत्वं जरसा विना॥

अथवा

न चोरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 2 + 2 = 4

(क) मूर्खाणां कालः कथम् गच्छति ?

(ख) आधुनिक जगति पञ्चशील सिद्धान्ताः किम् स्वरूपम् गृहीतवन्तः ?

(ग) हिन्दू विश्वविद्यालयस्य संस्थापकः कः आसीत् ?

(घ) के न्यायात् पथः न प्रविचलन्ति ?

10. (क) 'हास्य' रस अथवा 'करुण' रस की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'श्लेष' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'वसन्ततिलका' छन्द की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(क) सोशल मीडिया : वरदान या अभिशाप

(ख) जीवन और समय प्रबन्धन

(ग) वन-संरक्षण का महत्त्व

(घ) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त

(ङ) विश्व में हिन्दी के बढ़ते कदम

12. (क) (i) 'निश्चयः' का सन्धि-विच्छेद है 1

(अ) निश् + चयः
(स) निस् + चयः
(ब) निस + चयः
(द) निश + चयः

(ii) 'प्रोषति' का सन्धि-विच्छेद है

(अ) प्रा + ओषति
(स) प्रौ + ओषति
(ब) प्र + ओषति
(द) प्रे + ओषति

(iii) 'गायति' का सन्धि-विच्छेद है 1

(अ) गै + अति (स) गो + अति

(ब) गे + अति (द) गौ + अति

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास स्पष्ट कीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) महादेवः

(ii) नीलकमलम्

(iii) अनुरूपम्

13. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में प्रत्यय बताइए : **1 + 1 = 2**

(i) 'खादित्वा' शब्द में प्रत्यय है

(अ) तव्यत् (स) अनीयार्

(ब) क्त्वा (द) क्त

(ii) 'गन्तव्यः' शब्द में प्रत्यय है

(अ) तव्यत् (स) अनीयार्

(ब) क्त (द) क्त्वा

(iii) 'श्रीमान्' शब्द में प्रत्यय है

(अ) क्त (स) मतुप्

(ब) वतुप् (द) त्व

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम लिखिए : **1 + 1 = 2**

(अ) कृष्णम् अभितः गोपा ।

(ब) त्वं मया सार्धम् आपणं चल ।

(स) प्रजाभ्यः स्वस्ति ।

14. मोहल्ले में आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम को एक पत्र लिखिए । **2 + 6 = 8**

अथवा

कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने मित्र को बधाई देते हुए पत्र लिखिए ।